हज तीर्थयात्रियों के लिये वित्तीय सहायता तथा राज-सहायता

1117. **प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा :** क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस वर्ष देश से कितने तीर्थ-यात्री हज के लिए गये ;

(ख) उन्हें सरकार द्वारा कितनी विदेशी मुद्रा उपलब्ध कराई गई ;

(ग) उन हज तीर्थ यात्रियों को विमान तथा समुद्री-पोत किराए पर लेने तथा विदेशी मुद्रा खरीदने के लिए कितनी राज-सहायता दी गई ;

(घ) क्या इस प्रकार की राज-सहायता पाकिस्तान जाने वाले हिन्दु-सिख तीर्थ यात्रियों को भी दी जाती है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सलमान खुर्शीद) : (क) हज समिति द्वारा किए गए प्रबंधों के अन्तर्गत इस वर्ष लगभग 25,000 भारतीय हज यात्रा पर गए थे । उनमें से, 4,700 हज यात्री समुद्री मार्ग से गए थे, जबकि बाकी हज यात्री वायु मार्ग से गए थे। इसके अतिरिक्त लगभग 15,000 भारतीय स्वयं हज यात्रा पर गए थे ।

(ख) हज समिति द्वारा किए गए प्रबन्धों के अन्तर्गत हज यात्रियों को 5,500 सऊदी रियाल के बराबर अथवा 4,600 सऊदी रियाल के बराबर विदेशी मुद्रा लेने का विकल्प दिया गया था। हज यात्रियों के लिए 106,99,39,387 रुपए की कुल राशि की विदेशी मुद्रा दी गई थी।

(ग) हज समिति द्वारा किए गए प्रबन्धों के अन्तर्गत जाने वाले हज यात्रियों से हज यात्री किराया ही लिया जाता है जो चार्टर हवाई किराए से कहीं कम होता है । हज-1994 के लिए, हज यात्री किराया 12,000 रुपए था जबकि चार्टर किराया 17,000 रु० तय किया गया था। सरकार 10,30 करोड़ रुपए का अनुमानित अन्तर वहन करेगी ।

जहां तक हज समिति द्वारा किए गए प्रबन्धों के अन्तर्गत हज यात्रा करने का सम्बन्ध है, सरकार यानों के लिए लागू कीमतों और हज-यात्रियों से लिए जाने वाले किरायों के बीच का अन्तर वहन करती है । हज-1994 के लिए, यह अन्तर 5.95 करोड़ रुपए है ।

इसके अतिरिक्त, हज समुद्री यात्रा के लिए एम०वी० निकोबार हटा लिए जाने के कारण अंडमान द्वीपसमूह के यात्रियों को होने वाली दिक्कतों को दूर करने के लिए हज-1994 के लिए 8.64 करोड़ रुपए की लागत पर मद्रास पोर्ट ब्लेयर तथा कलकत्ता पोर्ट ब्लेयर चार्टर उड़ानों की व्यवस्था की ।

हज यात्रियों द्वारा विदेशी मुद्रा की खरीद के लिए कोई आर्थिक सहायता नहीं दी गई । यह मुद्रा वाणिज्यिक दर पर जारी की गई थी ।

(घ) और (ङ) जी, नहीं ।

सरकार पाकिस्तान जाने वाले यात्रियों को केवल संगठनात्मक तथा संभारतंत्रीय सहायता प्रदान करती है ।

India's response to sponsored terrorism by Pakistan

1118. SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI:

DR. MURLI MANOHAR JOSHI:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been invited to the speech made by Hon'ble Bill Mc Collum of Florida in the Huse of Representatives on 22nd June, 1994 and the study conducted by the Task Force on Terrorism and unconventional warfare;

(b) if so, what are the salient points made in the Report;